विषयानुक्रमणिका

पान नंबर

प्रथम अध्याय :- ''हिंदी साहित्य तथा आँचलिक उपन्यासों में दलित जीवन का चित्रण'' **1 - 48**

1. साहित्य और समाज जीवन का संबंध।
2. साहित्य और समाज का संबंध।
3. आँचलिकता का स्वरुप।
4. समाज की निर्मिती एवं दलित का स्थान।
5. 'दलित' शब्द की व्याख्या।
6. दलितों की वर्तमानकाल की स्थिति।
7. दलितोध्दार का कार्य।
9. दलित जीवन का चित्रण।
9. दलित चेतना का निर्माण।
10. निष्कर्ष।

द्वितीय अध्याय :- ''हिंदी के आँचलिक उपन्यासों में दलित जीवन किा चित्रण'' **49 - 97**

1) 'खारे जल का गाँव' - भगवतीप्रसाद शुक्ल

2) 'मोंगरा' - शिवशंकर शुक्ल

पान नंबर

3) 'सुबह की तलाश' -
नरेंद्रदेव वर्मा

4) 'जंगल के आसपास' -
राकेश वत्स

तृतीय अध्याय :- ''हिंदी के आँचलिक उपन्यासों में चित्रित दलित समस्याएँ'' **98 - 141**

1. साहित्य और समस्या का संबंध।
2. दलितों की समस्याएँ।
3. अंधविश्वास की समस्या।
4. शोषण की समस्या।
5. जनआंदोलन की समस्या।
6. नारी शोषण।
7. यौन संबंध और अवैध धंदों की समस्या।
8. जातीय भेदाभेद की समस्या।
9. भ्रष्टाचार की समस्या।
10. अशिक्षा की समस्या।
11. निष्कर्ष।

चतुर्थ अध्याय :- ''हिंदी के आँचलिक उपन्यासों में दलित चेतना'' **142 - 174**

1. चेतना का निर्माण।
2. चेतना का अर्थ।

पान नंबर

3. दलितों में चेतना निर्मिती के कारण।

4. दलितोध्दार एवं दलित।

5. जागरण का कार्य।

6. दलित चेतना की आवश्यकता।

7. आलोच्य उपन्यासों में चित्रित दलित-चेतना।

8. निष्कर्ष।

पंचम अध्याय :- ''सामाजिक क्रांति के रुप में दलित पात्रों का योगदान'' **175-206**

1. सामाजिक क्रांति - कारण - स्वरुप।

2. सामाजिक क्रांति के दूत - डॉ. आंबेडकर।

3. साहित्यिकारों का कार्य।

4. उपन्यासकारों का कार्य।

5. आलोच्य उपन्यासों के नायक।

6. निष्कर्ष।

षष्ठम् अध्याय :- उपसंहार। **207-215**

संदर्भ ग्रंथ सूची। **216-219**